सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 09-11-2023 दिन गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के आज के प्रथम सत्र में डॉ अजय कुमार पाण्डेय (एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ कायचिकित्सा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी) ने अपनी शोध प्रस्तुति प्रदान करते हुए कहा कि स्त्रोतस शरीर के घटकों के परिवहन और परिवर्तन के लिए एक स्रावी चैनल को कहते हैं। स्त्रोतस संख्या में असंख्य हैं और दो प्रकारों में विभाजित हैं - बहिर्मुखी स्रोतस और अंतर्मुखी स्त्रोतस। संख्या में बहिर्मुखी स्रोतस की संख्या पुरुष में 09 और महिला में 11 है। यदि किसी कारण से स्रोतस प्रभावित हो जाते हैं तो रोग उत्पन्न होता है।रोग की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार तीन मुख्य कारण हैं - दोष वृद्धि, दुष्य शिथिलता, और स्रोतोविगुनिया। स्रोतोदुष्टि के कारण को समझाते हुए कहा कि आहार और विहार स्रोतो दुष्टिके लिए जिम्मेदार होते हैं।स्वस्थ जीवन के लिए हमारा आहार अच्छा होना । अन्न ही प्राण है । यदि यह शुद्ध होता है तो दवा की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

सुखायु के द्वितीय सत्र में डा. अवधेश कुमार पाण्डेय रोल ऑफ आयुर्वेदिक टेक्नीक इन द मैनेजमेंट ऑफ वैरियस स्रोतोदुष्टि विकार विषय पर कहा कि सर ने अपने संबोधन की शुरुआत पदार्थ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाए ऐसे चैनल को स्रोतस कहते हैं स्रोतस शब्द की व्युत्पत्ति,निरुक्ति सहित परिभाषा बताते हुए कहा कि स्रोतोदुस्ती को ही ख वैगुण्य भी कहते है । जिसका जिक्र इस राष्ट्रीय सेमिनार के नाम सु-ख-आयु में दिख रहा है।चरक और सुश्रुत के अनुसार स्रोतोदुष्टि विकार और शल्य चिकित्सा पद्धति के बारे में विस्तार से बताया |

तृतीय सत्र में डा. गिरिश के जे प्रोफेसर और उप प्राचार्य पतञ्जलि आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान हरिद्वार ने इक्सक्रिटरी चैनल एक्शप्लोरिंग द डाएग्नास्टिक और थैरापूटिक मार्ग आयुर्वेद मैनेजमेंट बांझपन और यौन डिस्आडर विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए कि आहार विहार पुरुष और महिलाओं के यौन डिसआर्डर में अहम भूमिका निभाते हैं । अनियमित अहितकर विहार पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी ला रहे हैं जिससे नपुंसकता बढ़ रहा है इसी तरह महिलाओं में बांझपन भी बढ़ता हुआ दिख रहा है।यदि हमारा आहार विहार सही है तो हम ओजस्वी, धैर्यवान,और बलवान बनते हैं।

इन सत्रों के समानान्तर ही गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के शिक्षकों और छात्रों सहित देश के विभिन्न आयुर्वेद महाविद्यालयों से आए हुए शिक्षकों और छात्रों ने अपने अपने शोध प्रस्तुति किए गए। आज के विभिन्न सत्रों का संचालन क्रमशः डा. शंकर दयाल शर्मा, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया, डा अभिजीत ने किया। सत्र के अंत में डा. जी. एन सिंह पूर्व ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया के जीवन पर संक्षिप्त डाक्युमेंट्री फिल्म दिखाया गया । कार्यक्रम में डा. जी. एन. सिंह पूर्व ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया, विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डा. प्रदीप राव, चिकित्सा अधीक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल और भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालयों से अपनी शोध प्रस्तुतिकरण करने आए हुए आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Dhanv
l - 2023
Organised
MAHAYO
(Ayurveda)
3007

- 2023
rveda)
532812, 9657221385